वर्ष–2, अंक 2, फरवरी 2019

राज भवन

संवाद

राज भवन, बिहार की मासिक पत्रिका

सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है 'कानून का राज'

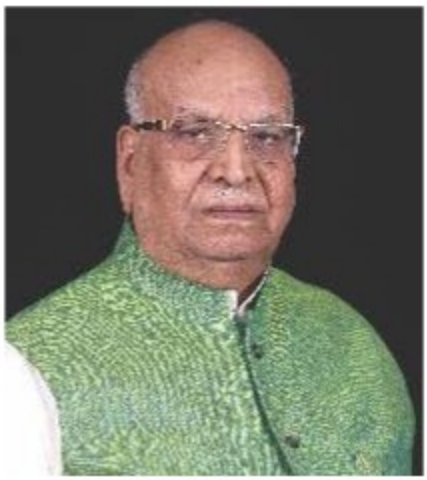

राष्ट्र के '70वें गणतंत्र दिवस' के अवसर पर आप सबको एवं समस्त बिहारवासियों को मैं हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। आज ही के दिन 1950 में हमारा देश एक गौरवशाली संप्रभु लोकतंत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ और हमने संसदीय व्यवस्था पर आधारित शासन की नींव रखी। संविधान के माध्यम से राष्ट्र के सभी नागरिकों के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता तथा गरिमापूर्ण जीवन उपलब्ध कराने के सिद्धान्त हमारे पथप्रदर्शक हैं। इन्हीं के सहारे देश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पनायें पूरी हो रही हैं।

राज्य सरकार ने सुशासन एवं न्याय के साथ विकास के सिद्धान्त पर राज्य के विकास के लिए सार्थक प्रयास किया हैं। बिहार में 'कानून का राज' स्थापित रखना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संगठित अपराध पर अंकुश लगाया गया है और यही व्यवस्था आगे भी जारी है। भ्रष्टाचार के विरूद्ध 'जीरो टॉलरेन्स' की नीति पर राज्य सरकार की मुहिम जारी है। ''लोक संवाद'' के माध्यम से लोगों के महत्वपूर्ण सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं जिससे राज्य सरकार अपनी नीतियों एवं कार्यक्रमों का संवर्द्धन कर रही है।

राज्य के समग्र विकास में मानव विकास की विशिष्ट भूमिका है। राज्य सरकार ने मानव संसाधन की पूरी क्षमता के उपयोग के लिए शिक्षा पर शुरू से ही विशेष ध्यान दिया है। प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में एक ओर जहाँ पोशाक, साईकिल, छात्रवृत्ति एव अन्य कई योजनाएँ लागू की गईं, वहीं दूसरी ओर विद्यालयों की आधारभूत संरचनाओं को मजबूत किया गया। बिहारवासियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार किया है। प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अनुमंडल एवं जिला अस्पताल एक क्रियाशील स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में कार्यरत हैं। अब स्वास्थ्य प्रक्षेत्र में विशिष्ट चिकित्सा हेतु आधारभूत संरचना का विकास एवं कुशल मानव–संसाधन की उपलब्धता पर काम किया जा रहा है, ताकि लोगों को राज्य में ही आधुनिक चिकित्सा उपलब्ध हो सके।

बिहार की लगभग नवासी प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में निवास करती है और जनसंख्या का लगभग छिहत्तर प्रतिशत अपनी आजीविका के लिए कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर आश्रित है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु राज्य सरकार ने 2008 में पहला एवं 2012 में दूसरा 'कृषि रोड मैप' लागू किया। दोनों 'कृषि रोड मैप' की उपलब्धियों से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने 2017 से 2022 तक के लिए 'तीसरा कृषि रोड मैप' बनाया, जिसका शुभारंभ माननीय राष्ट्रपति द्वारा 9 नवम्बर, 2017 को किया गया।

राज्य में 'जैविक खेती' को प्रोत्साहित करने के लिए 'इनपुट अनुदान' की व्यवस्था के साथ–साथ 'जैविक कॉरिडोर' बनाने हेतु कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय कृषि–यंत्र निर्माताओं को प्रोत्साहित करने, दुग्ध, मछली एवं अण्डा के उत्पादन में राज्य को आत्म निर्भर बनाने, कृषि के लिए पृथक् फीडर की स्थापना कर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा राज्य के हरित आवरण को 17 प्रतिशत तक पहुँचाने के लिए भी कार्रवाई की जा रही है। तीसरे कृषि रोड मैप के महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों की बदौलत किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा प्रत्येक भारतवासी के थाल में बिहार के एक व्यंजन का सपना साकार होगा।

बिहार देश का बहु–आपदाप्रवण राज्य है। आपदाओं से निपटने के लिए 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण' रोड मैप तैयार करने वाला बिहार, देश का पहला राज्य है।

'सुशासन के कार्यक्रम' के तहत विकसित बिहार के 7 निश्चय के मिशन मोड में क्रियान्वयन, पर्यवेक्षण एवं परामर्श हेतु गठित बिहार विकास मिशन द्वारा 7 निश्चय के क्रियान्वयन के साथ–साथ कृषि रोड मैप, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य विभागों के योजनाओं का अनुश्रवण करने की व्यवस्था की गई है तथा वर्तमान संस्थागत व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए बेहतर कार्य प्रणाली को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

(गांधी मैदान, पटना में 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर राज्यवासियों को संबोधित करते राज्यपाल – 26 जनवरी, 2019)

नये वर्ष की शुरूआत हो चुकी है। नयेपन के स्वागत की सार्थकता इसी में है कि हम नये संकल्पों के प्रति पूरी प्रतिबद्धता और अपनी क्षमता का भरपूर प्रयोग करने के लिए तत्पर हो जाएँ। राज्य में उच्च शिक्षा के विकास का जो संकल्प लिया गया है, उसकी महत्ता इसी में है कि हम अपने पूरे समर्पण और कार्य-कौशल के साथ उन संकल्पों को सफलीभूत बनाने की दिशा में उद्यत हो जाएँ।

इस वर्ष की सर्वाधिक महत्वपूर्ण चुनौती यह है कि हम पूर्व लंबित सभी परीक्षाओं के परिणाम घोषित करते हुए अपने वर्तमान शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुपालन के प्रति सजग एवं दृढ़निश्चयी बने रहें। समय पर सभी पाठ्यक्रमों में नामांकन, नियमित वर्ग-संचालन, परीक्षाफल-प्रकाशन तथा 'दीक्षांत-समारोहों के जरिये डिग्री-वितरण हमारी प्राथमिकताओं में सर्वोच्च होना चाहिए।

इस वर्ष 'University Management Information System (UMIS)' का कार्यान्वयन हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आगामी शैक्षणिक सत्र से इसका कार्यान्वयन हर हालत में सफलतापूर्वक सुनिश्चित करना हम सबकी प्रमुख जिम्मेवारी है।

सभी महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के लिए 'नैक एक्रीडिटेशन' की तैयारी के लिए राज्य सरकार से प्राप्त वित्तीय सहयोग का उपयोग करते हुए हमें अपनी आधारभूत संरचनाओं का विकास नैक-मानकों के अनुरूप करना है तथा 'नैक' की बेहतर ग्रेडिंग हासिल करने का प्रयास करना है, ताकि आधुनिक मानदंडों पर खरे उतरते हुए हमारे शिक्षण-संस्थानों को राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हो सके।

बी॰एड॰ पाठ्यक्रमों में नामांकन हेतु इस वर्ष पुनः हम राज्यस्तरीय परीक्षा- 'कम्बाइंड इन्ट्रेंस टेस्ट' (CET-B.ED-2019) आगामी 10 मार्च को आयोजित करने जा रहे हैं। पुराने अनुभवों से सबक लेते हुए यथापेक्षित परिमार्जन कर इस वर्ष यह परीक्षा पुन: नालंदा खुला विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित होने जा रही है। आशा है, इसके सफल आयोजन से बी॰एड॰ पाठ्यक्रम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण हेतु हमारी कोशिशें मूर्त्त रूप ले सकेंगी। 'बायोमैट्रिक उपस्थिति व्यवस्था' एवं महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयीय विभागों में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था के अनुश्रवण को नियमित और सघन बनाते हुए हम अपनी शिक्षण-व्यवस्था को प्रभावी और फलदायी बना सकते हैं।

बिहार राज्य की विकास-दर 11.3 प्रतिशत पर पहुँचकर पूरे देश में सर्वोच्च होने के साथ-साथ राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है। 'क्रिसील' की रिपोर्ट के मुताबिक विगत पाँच वर्षों की अवधि में गुजरात और हरियाणा के साथ बिहार भी विनिर्माण, व्यापार, परिवहन, संचार आदि क्षेत्रों में सर्वाधिक रोजगार पैदा करनेवाला राज्य रहा है। राज्य में यदि व्यावसायिक, तकनीकी एवं रोजगारोन्मुखी उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के अपने प्रयासों में हम यदि सफल हो जाते हैं तो बिहार भी विकसित राज्यों की श्रेणी में शुमार हो जाएगा।

विश्वास है, हमारी कोशिशें कामयाब होंगी और हम अपनी मंजिल तक निश्चित रूप से पहुँच सकेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

विवेक

(विवेक कुमार सिंह)
राज्यपाल के प्रधान सचिव

वर्ष-2, अंक-2, फरवरी 2019

प्रधान सम्पादक
विवेक कुमार सिंह

कार्यकारी सम्पादक
विनोद कुमार

सम्पादक मंडल
संजय कुमार
सुनील कुमार पाठक

सम्पादकीय पता: जन-सम्पर्क शखा, राजभवन, पटना-22
ई मेल- pr.rajbhavan@gmail.com
दूरभाष- 0612-2786119

इस अंक में

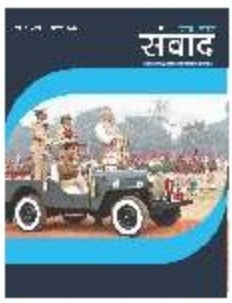

- सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है 'कानून का राज'
- राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने 'गणतंत्र दिवस' के सुअवसर पर गाँधी मैदान में राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया
- पटना विश्वविद्यालय का 'दीक्षांत समारोह-2019'
- राजभवन में पत्रकारों के साथ 'विमर्श'
- जैन धर्म के दिव्य संदेश मानवता के लिए परम प्रेरणादायी हैं-राज्यपाल
- शिक्षा से मनुष्य का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उन्नयन होता है-राज्यपाल
- कन्या-शिक्षा के विकास की बदौलत राज्य में तेजी से महिला-सशक्तीकरण हो रहा है-राज्यपाल
- राज्यपाल ने अमर शहीदों की वीर नारियों को सम्मानित किया
- विश्वविद्यालय परिसर
- विविधा
- शिष्टाचार
- वसन्त की अगवानी (कविता) : नागार्जुन

राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने 'गणतंत्र दिवस' के सुअवसर पर गाँधी मैदान में राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया

26 जनवरी, 2019 को गाँधी मैदान में परेड का निरीक्षण करते हुए महामहिम राज्यपाल

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया। इसके पूर्व, राज्यपाल शहीद–ए–कारगिल स्मृति स्थल, पटना गये और अमर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि निवेदित की। राज्यपाल के गाँधी मैदान पहुँचने पर माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने उनका स्वागत किया, राष्ट्रीय सलामी दी गई तथा बाद में राज्यपाल ने खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय धुन बजाई गई। राज्यपाल ने 'मार्च पास्ट' की भी सलामी ली तथा उनके द्वारा गणतंत्र दिवस–2019 के अवसर पर 'शौर्य पुरस्कार' से अलंकृत विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किये गये। राज्यपाल ने विभिन्न सरकारी विभागों/संगठनों द्वारा निकाली गयी झाँकियों को भी अवलोकित किया।

राज्यपाल श्री टंडन ने ऐतिहासिक गाँधी मैदान में 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर राज्य की जनता को संबोधित करते हुए उन्हें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने सुशासन एवं न्याय के साथ विकास के सिद्धान्त पर राज्य के विकास के लिए सार्थक प्रयास किया है। परिणामस्वरूप सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षा प्रक्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्णिया, पाटलिपुत्र एवं मुंगेर विश्वविद्यालयों की स्थापना की जा चुकी है। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। राज्य में विश्वविद्यालय शिक्षकों की त्वरित नियुक्ति हेतु बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग का गठन किया गया है। उच्च शिक्षा में विकास हेतु सभी विश्वविद्यालयों में 'शैक्षणिक कैलेण्डर' लागू किये गये हैं। विश्वविद्यालयों में नियमित पदों पर नियुक्ति के साथ–साथ तात्कालिक व्यवस्था के तौर पर गेस्ट फेकेल्टी की नियुक्ति की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष से युनिवर्सिटी मैनेजमेंट इनफॉर्मेशन सिस्टम (UMIS) भी लागू हो रहा है, जिससे शिक्षकों एवं छात्रों को प्राप्त होने वाली कई महत्वपूर्ण सुविधाएँ कम्प्यूटरीकृत हो जायेंगी। पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। 'नैक एक्रीडिटेशन' की तैयारी हेतु भी महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को निदेशित किया गया है। राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अब राज्यस्तरीय 'कम्बाइंड इन्टरेंस टेस्ट' (CET) ली जा रही है। महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयीय विभागों में शिक्षकों और छात्रों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु 'बायोमेट्रिक उपस्थिति' दर्ज करने की व्यवस्था लागू की गई है।

राज्यपाल ने कहा कि बिजली की स्थिति में राज्य में उत्तरोत्तर सुधार हुआ है। राज्य में अधिकतम विद्युत–आपूर्ति पाँच हजार एक सौ उनतालिस मेगावाट पहुँच गयी है।

श्री टंडन ने कहा कि अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित सभी छात्रावासों की आधारभूत संरचना तथा अन्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बिहार लोक सेवा आयोग तथा संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा पास करने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति तथा अत्यंत पिछड़ा वर्ग

शहिद–ए–कारगिल स्मृति स्थल पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए राज्यपाल (26 जनवरी 2019)

(गणतंत्र दिवस समारोह –2019, गांधी मैदान, पटना में 'शौर्य पुरस्कार' से अलंकृत विजेताओं को सम्मानित करते राज्यपाल – 26 जनवरी, 2019)

राजभवन के राजेन्द्र मंडप में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बाल कलाकारों द्वारा कव्वाली–प्रस्तुति

के सभी अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु क्रमशः पचास हजार रुपये एवं एक लाख रुपये प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराने के लिए ''सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना'' लागू की गई है।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने सामाजिक सुधार की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को लागू किया है। सरकार ने पूर्ण शराबबंदी लागू की है तथा उसके बाद पूर्ण नशाबंदी का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए बाल–विवाह एवं दहेज–प्रथा के उन्मूलन हेतु राज्यव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इन दोनों अभियानों के सार्थक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं।

श्री टंडन ने कहा कि राज्य में खेल–कूद को बढ़ावा देने के लिए ''मुख्यमंत्री खेल विकास योजना'' के अन्तर्गत प्रखण्ड स्तर पर स्टेडियमों का निर्माण कराया जा रहा है। खिलाड़ियों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का आधारभूत संरचना उपलब्ध हो, इसके लिए राजगीर में राज्य खेल अकादमी तथा अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी का निर्माण कराया जा रहा है।

श्री टंडन ने जानकारी दी कि राज्य के युवाओं में वैचारिक एवं वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उद्देश्य से साईन्स सिटी का निर्माण कराया जा रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष महात्मा गाँधी की 150 वीं जयंती मनाई जाएगी जिस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा गाँधीजी के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण घटनाक्रमों को दर्शाने हेतु पटना में बापू टावर का निर्माण तथा बेतिया एवं मोतिहारी में दो हजार व्यक्तियों की क्षमता वाले सत्याग्रह सभागार का भी निर्माण कराया जा रहा है।

राज्यपाल श्री टंडन ने समारोह में बोलते हुए कहा कि बिहार राज्य में सभी जाति, धर्म और सम्प्रदाय के बीच अनुकरणीय समन्वय है। सरकार की कामना है कि समाज में सद्भाव एवं भाईचारा का वातावरण कायम रहे। 'गणतंत्र दिवस' के शुभ अवसर पर बिहारवासियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार को आर्थिक रूप से सबल तथा सामाजिक एवं नैतिक रूप से सशक्त बनाने में सबलोग अपनी सक्रिय भागीदारी निभायें। राज्यपाल ने 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर सभी बिहारवासियों एवं देशवासियों को शुभकामनाएँ दी।

'गणतंत्र दिवस समारोह–2019' में नगर विकास एवं आवास विभाग, जीविका, उद्योग विभाग, मद्य–निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, सहकारिता विभाग, परिवहन विभाग, महिला विकास निगम, कृषि विभाग, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, राज्य स्वास्थ्य समिति, पर्यटन विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, नागरिक सुरक्षा, निर्वाचन विभाग, ब्रेडा, सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग व भवन निर्माण विभाग तथा पंचायती राज विभाग द्वारा झाँकियाँ प्रस्तुत की गईं।

'गणतंत्र दिवस समारोह–2019' में प्रदर्शित की जाने वाली झाँकियों में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को प्रथम पुरस्कार, उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना (उद्योग विभाग, बिहार) को द्वितीय पुरस्कार, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना को तृतीय पुरस्कार एवं राज्य स्वास्थ्य समिति को चतुर्थ पुरस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा की गई। साथ ही बेस्ट पैरेड के लिए प्रोफेशनल ग्रुप में एस॰एस॰बी॰ एवं नन–प्रोफेशनल में एन॰सी॰सी॰ गर्ल्स, बेस्ट टर्न आउट प्रोफेशनल ग्रुप में एस॰टी॰एफ॰ तथा नन–प्रोफेशनल के लिए एन॰सी॰सी॰ एयर विंग, बेस्ट प्लाटून कमाण्डर प्रोफेशनल ग्रुप में होम गार्ड रूरल एवं नन प्रोफेशनल में एन॰सी॰सी॰ नेवी को भी पुरस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा की गई।

'गणतंत्र दिवस–2019' के अवसर पर राजभवन में आयोजित स्वागत–समारोह में महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन, माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति श्री हारून रशीद, पथ निर्माण मंत्री श्री नन्द किशोर यादव, स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय, कई पूर्व मंत्रीगण, विधायकगण एवं विधान पार्षदगण, पटना नगर निगम की मेयर, जन–प्रतिनिधिगण, लोकायुक्त, मुख्य सूचना आयुक्त, महाधिवक्ता, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, सैन्य अधिकारीगण, जन–प्रतिनिधिगण, विभिन्न आयोगों/समितियों/संगठनों के अध्यक्ष एवं सदस्यगण, कुलपतिगण, वरीय पुलिस अधिकारीगण, बुद्धिजीवी एवं अन्य कई आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

(राजभवन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित स्वागत–समारोह – 26 जनवरी 2019)

पटना विश्वविद्यालय का 'दीक्षांत समारोह–2019'

राज्य में उच्च शिक्षा का तेजी से विकास हो रहा है–राज्यपाल

(पटना विश्वविद्यालय के दीक्षांत समरोह– 2019 के दौरान राज्यपाल एवं पूर्व राष्ट्रपति – 20 जनवरी 2019)

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने एस.के. मेमोरियल हॉल में पटना विश्वविद्यालय के 'वार्षिक दीक्षांत समारोह–2019' को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों के सार्थक नतीजे सामने आ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि पटना विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों में 50 प्रतिशत से अधिक छात्राएँ हैं तथा पटना विश्वविद्यालय बिहार में महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक नया इतिहास रचने की ओर अग्रसर है। श्री टंडन ने कहा कि आज के दीक्षांत–समारोह में भी 80 प्रतिशत से अधिक 'गोल्ड मेडल' बेटियों को मिले हैं। यह पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है। वस्तुतः बिहार के विकास का रथ आज तेजी से आगे बढ रहा है।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा में गुणात्मक सुधर के लिए कुछ ठोस और सार्थक कदम हमने उठाये हैं। विश्वविद्यालयों में अकादमिक एवं परीक्षा कैलेण्डर के अनुरूप समय पर नामांकन, परीक्षा–आयोजन, परीक्षाफल प्रकाशन तथा डिग्री–वितरण के लिए दीक्षांत समारोहों के आयोजन हो रहे हैं। विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनुशासन बनाये रखने हेतु आवश्यक कदम उठाये गये हैं। विश्वविद्यालयों में University Management Information System (UMIS) इस वर्ष से लागू होने जा रहा है, जिससे विद्यार्थी एवं शिक्षक काफी लाभान्वित होंगे।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार के सभी विश्वविद्यालयों में रोजगारपरक वैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए जा रहे हैं, जिनके द्वारा विद्यार्थियों को विश्वविद्यालयों से निकलते ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप 'दीक्षांत समारोह' के लिए नयी भारतीय परिधान–व्यवस्था कार्यान्वित कर दी गई है, जिसका अनुपालन इस समारोह में भी हुआ है।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण शोध कार्यों को भी विश्वविद्यालयों में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है। राज्यपाल ने कहा कि आज के दिक्षान्त–भाषण कर्त्ता पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री प्रणब मुखर्जी के बिहार आगमन से उच्च शिक्षा के विकास प्रयासों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का मुझे काफी दिनों तक सौजन्य और साहचर्य मिला है। वे एक महान शिक्षाविद् हैं। उनके विद्वतापूर्ण उद्‌बोधन और उनके हाथों पटना विश्वविद्यालय के छात्रों को डिग्रियाँ प्राप्त होने से विश्वविद्यालय गौरवान्वित हुआ है। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के दीक्षांत भाषण में दिये गये सुझावों के आलोक में राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा को विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप विकसित करने में पर्याप्त मदद मिलेगी। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी भारत के वैसे कुछ

(पूर्व राष्ट्रपति डा. प्रणव मुखर्जी को पुस्प गुच्छ देकर स्वागत करते पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रास बिहारी प्र. सिंह – 20 जनवरी 2019)

महान व्यक्तियों में हैं, जिनपर भारत गर्व कर सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि आज भारत तेजी से विकास कर रहा है। सभी क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। ऐसे में युवा विद्यार्थियों को राष्ट्र–निर्माण में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए भारत के उत्थान में अपना भरपूर योगदान करना चाहिए।

समारोह में अपने दीक्षांत भाषण के दौरान भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. प्रणब मुखर्जी ने कहा कि विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप भारत के उच्च शिक्षा और तकनीकी संस्थानों को विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि यह संतोष की बात है कि बिहार आज तेजी से प्रगति कर रहा है। बिहार की विकास–दर आज राष्ट्रीय विकास–दर से भी ज्यादा है। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों को आधुनिक ज्ञान–विज्ञान से अपने को जोड़े हुए चलना होगा। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा को रोजगार और कौशल–उन्नयन से जोड़कर ही देश के नव–निर्माण की वास्तविक परिकल्पना की जा सकती है।

माननीय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. प्रणव मुखर्जी और महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करनेवाले तथा पी.एचडी की डिग्रियाँ प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों को स्वर्णपदक एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने पटना विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। समारोह में प्रतिकुलपति प्रो. श्रीमती डॉली सिन्हा, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, पटना विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, अनुषद्, अभिषद् एवं विद्वत परिषद् के सदस्यगण, शिक्षकगण, छात्रगण, अभिभावकगण आदि भी उपस्थित थे।

(पटना विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते राज्यपाल श्री लाल जी टंडन – 20 जनवरी 2019)

(राज्यपाल श्री लाल जी टंडन को विश्वविद्यालय के छात्र द्वारा बनायी गई उनकी तस्वीर भेंट करते कुलपति– 20 जनवरी 2019)

राजभवन में पत्रकारों के साथ 'विमर्श'

(पत्रकारों के साथ 'विमर्श' कार्यक्रम में राज्यपाल श्री लाल जी टंडन– 16 जनवरी 2019)

"राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा के विकास–प्रयासों को और अधिक तेज किया जाएगा। विगत वर्ष में उच्च शिक्षा में कुछ मूलभूत सुधार किए गए हैं एवं इस वर्ष प्रगति को और अधिक बहुआयामी और व्यापक बनाया जाएगा।" –उक्त उद्‌गार, 16 जनवरी, 2019 को महामहिम राज्यपाल ने राजभवन में आयोजित 'विमर्श' कार्यक्रम के दौरान सम्पादकों एवं कुछ वरिष्ठ मीडिया–प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि 'अकादमिक एवं शिक्षा–कैलेण्डर' को प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में कार्यान्वित कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप नामांकन, वर्ग–संचालन, परीक्षा–आयोजन, परीक्षाफल–प्रकाशन तथा दीक्षांत–समारोह आयोजित करते हुए डिग्री–वितरण के काम समय से हो जा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि 'बायोमैट्रिक उपस्थिति' के जरिये शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की हाजिरी सुनिश्चित करायी जा रही है। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी पूरी करने के उद्देश्य से बी.पी.एस.सी. के मानकों के अनुरूप 'गेस्ट टीचर्स' की रोस्टर एवं रिक्ति के आलोक में उनकी नियुक्ति–प्रक्रिया इसी माह पूरी कर लेने को कहा गया है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में आर.टी.जी.एस. के जरिये डिजिटल वेतन–भुगतान, शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मियों के वेतन–सत्यापन, सेवान्त लाभ के मामलों में तत्परता बरतने, 'GeM' के जरिये हर तरह की खरीददारी करने, RUSA, UGC एवं राज्य सरकार से प्राप्त आबंटनों का ससमय 'उपयोगिता प्रमाण–पत्र' भेजने जैसे निर्णय लेकर विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनुशासन कायम करने के सार्थक प्रयास हुए हैं।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि पी.जी. स्तर पर 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' लागू करते हुए आधुनिक पाठ्यक्रम को निर्धारित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में University Management Information System (UMIS) का कार्यान्वयन इस वर्ष हो रहा है, जिससे शिक्षकों एवं छात्रों को काफी सुविधाएँ हो जाएँगी। राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के विकास हेतु राज्य सरकार पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालयों एवं प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण तथा सुदृढ़ीकरण हेतु आबंटन उपलब्ध कराने हेतु राज्य सरकार को कहा गया है। राज्यपाल ने कहा कि 'National Academic Depository (NAD)' के कार्यान्वयन के जरिये छात्रों को अंक–पत्र, प्रमाण–पत्र आदि अब सहजतया उपलब्ध हो सकेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शोध–गतिविधियों को गुणवत्तापूर्ण बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'Centre of Excellence' के रूप में महाविद्यालयों को विकसित करने के साथ–साथ विश्वविद्यालयीय शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाये जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि आगामी 4–5 फरवरी, 2019 को दो–दिवसीय 'राष्ट्रीय परिसंवाद' का कार्यक्रम राजभवन में आयोजित होगा, जिससे उच्च शिक्षा के विकास का 'ब्लू प्रिन्ट' तैयार करने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयीय गतिविधियों में अनियमितता करने वाले अब बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक कुलपति को आवश्यक जाँचोपरांत पदमुक्त भी किया जा चुका है। श्री टंडन ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन के लिए विश्वविद्यालयों के बीच स्वस्थ सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का भाव पैदा करने के उद्देश्य से 'चांसलर अॅवार्ड' भी इस वर्ष वितरित किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए उम्दा प्रदर्शन करनेवालों के चयन का काम शीघ्र पूरा कर लिया जायेगा।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन की लोकोन्मुखता और गतिविधियाँ भी बढ़ाने के लिए कई काम हुए हैं। उन्होंने इस क्रम में राजभवन में पहली बार 'संविधान दिवस' के आयोजन में माननीय पटना उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधिपति एवं अन्य सभी न्यायाधीशों के सहयोग को रेखांकित करते हुए इसे एक महत्त्वपूर्ण आयोजन बताया। 'गाँधीवाद' पर राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन, 'गाँधी जयन्ती' की पूर्व संध्या पर भजन एवं सूफी गीतों के गायन कार्यक्रम आयोजित करने, 'राजभवन संवाद' नामक मासिक पत्रिका तथा 'The First Address' नामक राजभवन पर आधारित कॉफी–टेबुल बुक के प्रकाशन को विगत वर्ष की राजभवन की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों के रूप में चिह्नित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आगामी 13 एवं 14 फरवरी, 2019 को राजभवन में बिहार भर से किसानों को आमंत्रित करते हुए 'उद्यान प्रदर्शनी' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में फल, फूल, सुगंधित पौधा और सब्जी प्रक्षेत्र में उत्कृष्ट उत्पादन करनेवाले किसानों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

आज प्रिन्ट मीडिया–प्रतिनिधियों को राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह एवं राज्यपाल सचिवालय के 'परामर्शी' (उच्च शिक्षा) एवं प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. आर. सी. सोबती ने भी संबोधित किया तथा कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को पूरी व्यापकतापूर्वक कार्यान्वित किया जाएगा। आज के 'विमर्श' कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल ने 'राजभवन संवाद' पत्रिका के दूसरे वर्ष में प्रवेश पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा इसके जनवरी, 2019 अंक को लोकार्पित भी किया। कार्यक्रम में कई अखबारों के सम्पादकों/प्रतिनिधियों आदि ने भी उच्च शिक्षा को लेकर अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव दिये।

जैन धर्म के दिव्य संदेश मानवता के लिए परम प्रेरणादायी हैं–राज्यपाल

(पाटलिपुत्र विशालनाथ स्वामी तीर्थ मंदिर में दर्शन को पहुँचे राज्यपाल– 17 जनवरी 2019)

"बिहार की पावनभूमि पर जन्म लेकर भगवान महावीर ने पूरी दुनियाँ को अहिंसा सत्य, प्रेम और इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करने का अनुपम दिव्य संदेश दिया था, जो मानवता के लिए परम हितकारी और प्रेरणादायी सिद्ध हुआ।"– उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल ने पटना सिटी में आयोजित श्री पाटलिपुत्र विशालनाथ स्वामी तीर्थ प्रतिष्ठा महोत्सव" को संबोधित करते हुए व्यक्त किये ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि एक ही सत्य के बारे में चिंतकों, मनीषियों और धर्मज्ञों ने विभिन्न प्रकार से तत्व–चिंतन किया है –'एकम् सत् विप्राः बहुधा वदन्ति।' उन्होंने कहा कि सभी धर्मों का सार एक है– सत्पथ पर चलना, सदाचार का अनुकरण करना और सत्य, अहिंसा, प्रेम तथा परोपकार से परिपूर्ण जीवन व्यतीत करना। राज्यपाल ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने 'जीओ और जीने दो' का जो संदेश मानवता को दिया उससे विश्व में शांति और प्रेम की धारा प्रवाहित हो उठी। राज्यपाल ने कहा कि मानव जीवन के चार लक्ष्यों –धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष में सच्चे धर्म का पालन करते हुए अर्थोपार्जन करने तथा प्राप्त धन का सुदपयोग करते हुए उसके जरिये आध्यात्मिक विकास और मोक्षादि–प्राप्ति की कल्पना की गयी है। राज्यपाल ने कहा कि जैन धर्म में जितेन्द्रिय बनते हुए आत्मनिग्रह की बात कही गई है तथा मानव जीवन में संयम, त्याग, तप और मर्यादा का बराबर ख्याल रखने को कहा गया है। राज्यपाल ने कहा कि 'इदन्नमम' के भावानुरूप मनुष्य ईश्वर प्रदत्त चीजों को उसे ही अर्पित करने की सदाशयता धारण कर अपना आत्मिक उन्नयन कर सकता है। राज्यपाल ने कहा कि बिहार की पावन भूमि पर माँ जानकी, भगवान महावीर, दशमेश गुरु गोविन्द सिंह आदि ने जन्म लिया या भगवान बुद्ध ने इसे अपनी कर्मभूमि बनाया। इस भूमि की महिमा अपरम्पार है।

राज्यपाल ने कहा कि आज पुनः भारत का सांस्कृतिक अभ्युत्थान हो रहा है और विश्व में देश की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर और श्री विशालनाथ स्वामी के अहिंसा और शांति के संदेश मानवता के लिए परम प्रेरणादायी सिद्ध हो रहे हैं।

राज्यपाल ने श्री पाटलिपुत्र विशालनाथ स्वामी तीर्थ मंदिर में भगवान के दर्शन भी किए एवं पूरे बिहारवासियों के कल्याण की कामना की। उन्होंने सभी जैन श्रद्धालुओं को शुभकामनाएँ भी दी।

कार्यक्रम में जैन मुनि आचार्य श्री विजय राजेशखर सूरीश्वर जी महाराज ने भी अपना प्रेरणादायी प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि महामहिम राज्यपाल के विद्वतापूर्ण संदेश से वे अभिभूत हैं। कार्यक्रम में स्वागत–भाषण पटना ग्रुप ऑफ जैन टेम्पल्स समिति के अध्यक्ष श्री प्रियदर्शन जी जैन एवं धन्यवाद ज्ञापन सचिव श्री राजकुमार मलकास जी ने किया। कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल का अभिनंदन भी किया गया।

शिक्षा से मनुष्य का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उन्नयन होता है–राज्यपाल

"शिक्षा से मनुष्य का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उन्नयन होता है। भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति से त्याग, तपस्या, सदाचरण, राष्ट्रप्रेम एवं ईमानदारी की सीख मिलती है।" –उक्त उद्‌गार महामहिम राज्यपाल ने आज अर्जुननगर, लखनऊ में भाऊराव देवरस सेवा न्यास के तत्त्वावधान में महामना शिक्षण संस्थान के भव्य शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

महामहिम राज्यपाल, बिहार श्री टंडन ने कहा कि भारतीय संस्कृति ज्ञान, प्रेम, त्याग और आध्यात्मिक विकास पर जोर देती है; जबकि पाश्चात्य दर्शन भौतिकवादी होने के कारण मनुष्य का सर्वांगीण विकास नहीं कर पाता। उन्होंने कहा कि आज भारतवर्ष का अभ्युदय हो रहा है। भारतीय नेतृत्व विद्यार्थियों और युवाओं की ओर काफी आशा भरी निगाहों से देख रहा है। आज देश में सर्वत्र उत्साह और जागृति का वातावरण है। सब जगह शांति, प्रेम, सहयोग और सद्‌भावना के स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। आज पूरा विश्व भारत को काफी सम्मान और विश्वास के साथ देख रहा है। भारत भी 'वसुधैव' कुटुम्बकम्' की भावना से अभिप्रेरित होकर समस्त संसार में बंधुत्व का प्रसार कर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि आज समाज के अभिवंचित वर्गों को भी शिक्षा और स्वास्थ्य–सुविधाएँ सहज रूप से उपलब्ध हो रही हैं। 'आयुष्मान भारत योजना' जैसी अनेक महत्त्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का नवनिर्माण हो रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि भारतवर्ष के तेजी से हो रहे अभ्युत्थान में यहाँ के विद्यानुरागी बच्चों की अग्रणी भूमिका है, जो चरित्रवान बनने के साथ–साथ, पुनः आधुनिक ज्ञान–विज्ञान और नयी कौशलपूर्ण विद्याओं से अपने को जोड़कर अपना, अपने समाज का और पूरे राष्ट्र का कल्याण कर रहे हैं। कार्यक्रम में बोलते हुए राज्यपाल ने पं॰ मदनमोहन मालवीय का सादर स्मरण करते हुए उनके शिक्षा और राष्ट्रप्रेम की भावना से प्रेरणा ग्रहण करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में आर॰एस॰एस॰ के सह सर कार्यवाह डॉ॰ कृष्ण गोपाल जी, पद्मश्री श्री ब्रह्मदेव शर्मा भाईजी, महामना शिक्षक संस्थान के अध्यक्ष श्री रामनिवास जैन जी, सचिव श्री रंजीव तिवारी जी, सदस्य डॉ॰ नरेन्द्र अग्रवाल जी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

(महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ के शिलान्यास समारोह में राज्यपाल – 19 जनवरी 2019)

कन्या-शिक्षा के विकास की बदौलत राज्य में तेजी से महिला-सशक्तीकरण हो रहा है-राज्यपाल

(पटना विमेन्स कॉलेज के वार्षिकोत्सव- 2019 में बोलते राज्यपाल- 21 जनवरी 2019)

"राज्य में उच्च शिक्षा के विकास हेतु तेजी से प्रयास हो रहे हैं। पटना वीमेंस कॉलेज ने गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के विकास हेतु अत्यंत सार्थक प्रयास किया है, जिससे बिहार की प्रतिष्ठा बढ़ी है। इस संस्था का राज्य में महिला-सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण योगदान है।" - उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने पटना वीमेन्स कॉलेज के 'स्थापना- दिवस-समारोह' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

महामहिम राज्यपाल ने कहा कि बदलते भारत के विकास में नारियों की अग्रणी भूमिका है। उन्होंने कहा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान आज सिर्फ एक स्लोगन नहीं रहा, पूरे भारतीय समाज ने वस्तुस्थिति को स्वीकार करते हुए बेटियों की उन्नति और उनके कौशल-विकास तथा शिक्षा-दीक्षा पर भरपूर ध्यान देना शुरू कर दिया है।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि आज ज्ञान-विज्ञान के हर प्रक्षेत्र में बेटियाँ कमाल कर रही हैं। कला-संस्कृति-खेलकूद की दुनियाँ हो या अंतरिक्ष-यात्रा का सफर हो, सेना में वीरता-प्रदर्शन का अवसर हो या सुरक्षा-बलों में नियुक्त होकर देश-सेवा का मौका हो, शोध का प्रक्षेत्र हो या सामाजिक-राजनीतिक जगत् के विभिन्न-आयामों के विकास की बात हो-बेटियाँ बेटों से बढ़कर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।

राज्यपाल ने कहा कि आज हर तरह की सामाजिक बुराइयों से निजात पाते हुए, नये भारत के उत्थान का सुअवसर सबको मिला है, जिसमें हर युवक-युवती को अपना भरपूर योगदान करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि बिहार में भी महिला-सशक्तीकरण के लिए काफी ठोस प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कन्या-शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे प्रयासों का ही नतीजा है कि आज राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के 'दीक्षांत समारोहों' में वितरित होने वाले 70-80 प्रतिशत 'स्वर्णपदक' छात्राएँ ही हासिल कर रही हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने पटना वीमेंस कॉलेज की गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-व्यवस्था की काफी प्रशंसा की।

कार्यक्रम में पटना वीमेंस कॉलेज की प्राचार्या सिस्टर डॉ. एम. रश्मि ए.सी. ने स्वागत भाषण किया। इस अवसर पर पटना विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा, पटना विश्वविद्यालय की उप प्राचार्या सिस्टर एम. तनीशा ए.सी. सहित कई गणमान्य जन आदि भी उपस्थित थे। समारोह में पटना वीमेंस कॉलेज की विभिन्न प्रक्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को महामहिम राज्यपाल ने पुरस्कृत भी किया। छात्राओं द्वारा रंगमय आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए, जिसमें राष्ट्रीय समूह गान, आंचलिक समूह नृत्य आदि प्रमुख थे। कार्यक्रम में धन्यवाद-ज्ञापन प्रो. श्रीमती शेफाली राय ने किया।

(पटना विमेन्स कॉलेज के वार्षिकोत्सव का उद्‌घाटन करते हुए राज्यपाल श्री टंडन- 21 जनवरी 2019)

राज्यपाल ने अमर शहीदों की वीर नारियों को सम्मानित किया

(सैनिकों की वीर नारियों के सम्मान समारोह–2019 को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री लाल जी टंडन– 22 जनवरी 2019)

"देश और देश की सरहदों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले भारत के अमर शहीदों की वीर पत्नियों को सम्मानित करना, उनके कल्याण में लिए हरसंभव कदम उठाना–देश और समाज का परम नैतिक कर्त्तव्य है। इन वीर नारियों के साथ सहयोग कर, उनकी सुविधाओं की व्यवस्था कर हम उनपर कोई अनुग्रह या एहसान नहीं करते वरन अपनी नैतिक और राष्ट्रीय जबाबदेही को ही पूरा करते हैं।" –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री लालजी टंडन ने राज्यपाल सचिवालय एवं सैनिक कल्याण निदेशालय, गृह विभाग (आरक्षी शाखा) के संयुक्त तत्वावधान में राजभवन के राजेन्द्र मंडप में आयोजित 'वीर नारी सम्मान समारोह–2019' को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न युद्धों और सीमाओं की रक्षा आदि कर्त्तव्यों के दौरान अपने प्राणों का अनुपम बलिदान देकर देश के अमर शहीद सैनिकों ने हमें राष्ट्र के प्रति प्रेम और अपना सर्वस्व न्योछावर करने की प्रेरणा दी है। शहीदों की शहादत के बाद उनकी स्मृतियों को जुगाये रखते हुए अपना जीवन–बसर कर रही उनकी वीर–नारियों के कल्याण हेतु केन्द्र या राज्य सरकार, समाज या आम नागरिक जो कुछ प्रयास करते हैं, उससे राष्ट्र की गरिमा बढ़ती है तथा एक आत्मविश्वास जगता है कि हम अपने अमर शहीदों, उनकी वीरांगना पत्नियों और आश्रितों के प्रति अपने कर्त्तव्यों के प्रति सजग एवं तत्पर हैं।

महामहिम राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र एवं बिहार सरकार सैनिकों, अमर शहीदों तथा उनके आश्रितों के कल्याण के लिए जो विभिन्न योजनाएँ संचालित कर रही हैं, उनकी जानकारी सैनिकों एवं शहीद–परिवारों तक पहुँचायी जानी जरूरी है तथा उनका वास्तविक लाभ उन्हें सहज सुलभ हो सके, यह भी सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

राज्यपाल ने कहा कि सभी सैन्य एवं सिविल अधिकारियों का भी यह दायित्व है कि वे इस बात पर अपनी नजदीकी नजर रखें कि अमर शहीदों की वीरांगना विधवाओं को वृद्धावस्था में कोई कठिनाई नहीं हो, उनकी स्वास्थ्य–सुविधाओं की समुचित व्यवस्था हो तथा उनका इस रूप में आर्थिक सशक्तीकरण भी हो ताकि उनके आश्रितों का समग्र विकास हो सके।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि वे देश, प्रान्त और पूरे समाज की तरफ से आज 'सम्मान–समारोह' में उपस्थित सभी वीर नारियों का अभिनन्दन करते हैं तथा सभी वीर सैनिकों को अपनी शुभकामनाएँ देते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग, श्री आमिर सुबहानी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार सैनिकों तथा वीर शहीदों के आश्रितों के कल्याणार्थ अनेक योजनाएँ संचालित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि 'मेधावी छात्रवृत्ति', वैवाहिक अनुदान, मकान निर्माण अनुदान, विधवा पुनर्विवाह अनुदान, शिक्षा अनुदान, अनुग्रह अनुदान आदि से संबंधित विभिन्न सरकारी सहायताएँ सैनिकों एवं अमर शहीदों के आश्रितों के लिए उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी के रूप में सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों तथा लिपिक आदि पदों पर सेवानिवृत्त सैनिकों की नियुक्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

'सम्मान समारोह' में महामहिम राज्यपाल ने सन 1962 से 1989 की अवधि के वीर शहीद सैन्य पदाधिकारी/अमर सैनिकों की 53 वीर पत्नियों को सम्मानित किया। सम्मान–स्वरूप महामहिम राज्यपाल ने प्रत्येक वीर नारी को 51 हजार रूपये एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किये।

कार्यक्रम में स्वागत–भाषण सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक कर्नल दिलीप प्रसाद ने किया, जबकि धन्यवाद–ज्ञापन राज्यपाल सचिवालय के संयुक्त सचिव श्री विजय कुमार ने किया। कार्यक्रम में बिहार रेजिमेंट सेन्टर, दानापुर के कमान्डेन्ट ब्रिगेडियर मनोज नटराजन, बिहार–झारखंड के जनरल ऑफिसर कमान्डिंग मेजर जनरल एम॰के॰ मुखर्जी सहित कई सैन्य अधिकारी, सैनिक कल्याण निदेशालय एवं राज्यपाल सचिवालय के वरीय अधिकारीगण आदि भी उपस्थित थे।

(शहीद की वीर नारी को सम्मानित करते महामहिम राज्यपाल श्री टंडन, – 22 जनवरी 2019)

विश्वविद्यालय परिसर

बी०आर०ए० बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

विश्वविद्यालय ने नेशनल एकेडमिक

डिपॉजिटरी यानी नैड' से जुड़कर डिजिटलीकरण की तरफ कदम बढ़ा दिया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने छात्रों को डिजिटल डिग्री देना भी शुरू कर दिया। कुलपति डॉ० अमरेन्द्र नारायण यादव ने एम.डी.डी.एम. की वाणिज्य विषय की स्नातक छात्रा निहारिका राज को ऑनलाइन डिग्री देकर इसकी शुरुआत की। पहले दिन विश्वविद्यालय द्वारा 'नैड' की सहायता से तीन छात्रों को डिजिटल डिग्री प्रदान किया गया। डिजिटल डिग्री देने वाला बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर बिहार का पहला विश्वविद्यालय है। इस अवसर पर उपकुलपति, अध्यक्ष, छात्र कल्याण, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, विकास पदाधिकारी, उप परीक्षा नियंत्रक एवं उपकुलसचिव–।। आदि मौजूद थे।

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा परिसर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ हरकेश प्रसाद सिंह ने 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो॰ सिंह ने कहा कि भारतीय गणतंत्र आज पूरे विश्व में पूरे सम्मान और आदर के साथ देखा जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय शासन–व्यवस्था और संविधान–दुनियाँ के लोकतांत्रिक देशों में भारत को एक सर्वोत्तम गणतंत्र के रूप में प्रतिष्ठित करते हैं।

एम॰एम॰एच॰अरबी–फारसी विश्वविद्यालय, पटना

70वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मौलाना मज़हरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय, पटना में झंडोत्तोलन बड़े ही हर्ष

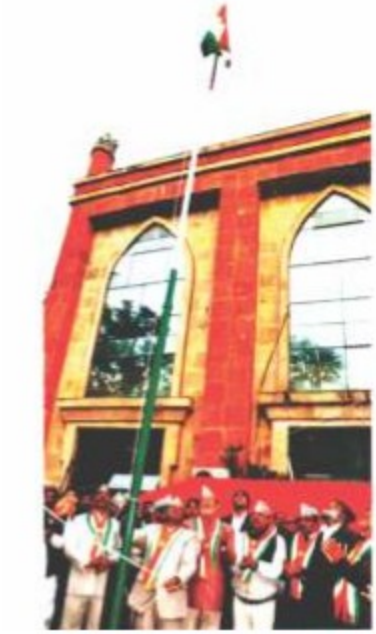

एवं उल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ खालिद मिर्जा ने झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि आज का दिन भारत के गणतंत्र और संविधान की रक्षा तथा उसके कार्यान्वयन एवं न्याय, स्वतंत्रता और समानता के साथ–साथ देश की एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ लेने का दिन है।

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, विश्वविद्यालय के खेल परिसर में आयोजित इस समारोह में कुलपति डॉ रामेश्वर सिंह ने झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सुरक्षा दल, संजय गाँधी गव्य प्रोद्योगिकी संस्थान और बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के छात्रों, एनसीसी कैडेट और एन.एस.एस. के वालंटियर्स द्वारा परेड किया गया और कुलपति को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

कुलपति ने अपने अभिभाषण में कहा की सैकड़ों बिखरी रियासतों को समेट और सहेज कर हमारे पूर्वजों ने इस राष्ट्र का निर्माण किया है। अन्त:विरोधों को मिटाकर विविधताओं को अपनी ताकत बनाई और ये सब हो सका क्योंकि हमने अपने स्वतंत्र राष्ट्र को एक सर्वश्रेष्ठ गणतंत्र में ढाला है। उन्होंने आगे कहा कि यह तो सर्व विदित है कि तंत्र के बिना स्वतंत्र होने का कोई मतलब नहीं बनता, तंत्र–विहीन स्वतंत्रता अक्सर निरंकुशता में परिणत हो जाती है जो किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं है। एक विश्वविद्यालय के रूप में हमारी भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। ज्ञान और विज्ञान का केंद्र होने के नाते यह हमारा नैतिक दायित्व बनता है कि हम देश और समाज को अपना सर्वश्रेष्ठ दें।

लोगो को संबोधित करते हुए उन्होंने विगत वर्षों में विश्वविद्यालय में आये बदलाव और विकास के बारे में बताया। विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं और अन्य सकारात्मक कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नित नए आयाम को गढ़ने में सफल हों रहा है, और आने वाले दिनों में और बेहतर कार्य किये जाने की उम्मीद है। कुलपति ने निर्धारित कार्यों के अतिरिक्त इस वर्ष को विश्वविद्यालय में स्वच्छता और विस्तार वर्ष के रूप में मनाने का आह्वान किया है, उन्होंने 'क्लीन कैंपस ग्रीन कैंपस' के नारे के साथ पर्यावरण–रक्षा के कार्य करने हेतु विवि के कर्मियों को प्रोत्साहित किया।

विश्वविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों एवं अन्य योजनओं को सुचारू रूप से लागू करने हेतु सरकार के सहयोग के लिए कुलपति ने माननीय कुलाधिपति और बिहार सरकार का धन्यवाद किया, जिनके निरंतर सहयोग और उचित मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय बेहतर कर पा रही है।

इस अवसर पर छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। साथ ही शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच एक क्रिकेट मैच खेला गया जिसमे छात्रों ने विजेता का खिताब अपने नाम किया।

बीएनएमयू, मधेपुरा

बी. एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा की अंगीभूत इकाई के. पी. कॉलेज, मुरलीगंज के संस्थापक स्व. कमलेश्वरी प्रसाद यादव की 117वीं पुण्यतिथि जनवरी में समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर शिक्षकों, शिक्षकेतरकर्मियों एवं विद्यार्थियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं पुष्पांजलि अर्पित की। महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जिस समय इस क्षेत्र में काफी पिछड़ापन था, उस समय शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए कमलेश्वरी बाबू ने इस क्षेत्र के बड़े–बड़े जमींदारों से दान में जमीन प्राप्त की और महाविद्यालय का निर्माण कराया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अवध किशोर राय, विशिष्ट अतिथि प्रति कुलपति डॉ. फारूक अली उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जयनंदन यादव ने की।

विविधा

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने महान स्वतंत्रता–सेनानी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने गाँधी मैदान, पटना के दक्षिणी–पूर्वी कोने पर स्थापित महान स्वतंत्रता–सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर उनकी जयन्ती के अवसर पर माल्यार्पण किया एवं अपनी श्रद्धा निवेदित की।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर आयोजित उक्त राजकीय समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वालों में माननीय पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव एवं माननीय शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्री श्री कृष्णनन्दन प्रसाद वर्मा तथा राज्य के पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री श्याम रजक आदि प्रमुख थे।

राज्यपाल श्री टंडन ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर आयोजित इस राजकीय समारोह में एन॰सी॰सी॰, स्काऊट एवं गाईड तथा पुलिस परेड का निरीक्षण भी किया।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयन्ती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयन्ती के अवसर पर महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने बिहार विधान मंडल परिसर, पटना स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपना नमन निवेदित किया।

उक्त राजकीय समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयन्ती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस समारोह में माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, माननीय पथ निर्माण मंत्री श्री नन्द किशोर यादव, माननीय शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्री श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद वर्मा सहित कई विधायकों, विधान पार्षदों, जन–प्रतिनिधियों, सामाजिक–राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों/ प्रतिनिधियों, वरीय प्रशासनिक अधिकारियों, गणमान्यजन आदि ने भी जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राज्यपाल 'मकर संक्रांति महोत्सव' तथा केन्द्रीय मंत्री श्री रामविलास पासवान द्वारा आयोजित मकर संक्रांति के 'प्रीतिभोज' में शामिल हुए

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन 'मकर संक्रान्ति' (14 जनवरी, 2019) के दिन शाखा मैदान, पटना में केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा आयोजित 'मकर संक्रांति महोत्सव' एवं केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य तथा सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री रामविलास पासवान द्वारा आयोजित 'प्रीति–भोज' में शामिल हुए।

राज्यपाल श्री टंडन ने शाखा मैदान में आयोजित 'मकर संक्रांति महोत्सव' को संबोधित करते हुए कहा कि सूर्योपासना से जुड़ा 'मकर संक्रांति' का पर्व मनुष्य के प्रकृति के साथ साहचर्य और प्रेम–भाव के प्रकटीकरण का एक अन्यतम लोक–उत्सव है।

बाद में राज्यपाल श्री टंडन केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री रामविलास पासवान द्वारा 'मकर संक्रांति' के अवसर पर आयोजित दही–चूड़ा के 'प्रीति भोज' में भी उनके निवास पर शामिल हुए तथा लोगों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर उक्त दोनों नेताओं के अलावा माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी बिहार विधान परिषद् के सभापति श्री हारून रशीद, सांसद श्री चिराग पासवान सहित कई नेता उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अभिवंचित वर्ग एवं अत्यन्त गरीब लोगों के बीच कम्बलों का वितरण किया

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजेन्द्र भवन स्थित राजेन्द्र मंडप में रेडक्रॉस सोसाइटी बिहार ब्रांच के तत्त्वावधान में आयोजित एक कार्यक्रम में समाज के अभिवंचित एवं अत्यन्त गरीब वर्ग की 500 से भी अधिक महिलाओं, वृद्धों आदि के बीच कम्बलों का वितरण किया।

इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल श्री टंडन ने रेडक्रॉस सोसाइटी, बिहार ब्रांच के चेयरमैन डॉ॰ बी॰बी॰ सिन्हा को निदेशित किया कि वे हर जिले की तंग बस्तियों में गरीबों के बीच इस कड़ाके की ठंढ़ में कम्बल–वितरण के कार्यक्रम सम्पन्न कराने की व्यवस्था करायें।

राज्यपाल ने कहा कि रेडक्रॉस सोसाइटी को गरीबों के लिए स्वास्थ्य–परीक्षण –शिविरें, नेत्र–चिकित्सा–शिविरें आदि कार्यक्रम भी प्रत्येक सप्ताह आयोजित करना चाहिए। राज्यपाल ने पटना में रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा आई॰ हॉस्पीटल बनवाये जाने के निर्णय की प्रशंसा की। उन्होंने राजधानी पटना सहित विभिन्न जिलों में कम्बल–वितरण के कार्य को विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर सुनिश्चित कराने का निदेश रेडक्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारियों को दिया।

शिष्टाचार

भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी अपने दो दिवसीय दौरे में पटना पधारे। महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन में पुष्प–गुच्छ देकर उनका हार्दिक अभिनन्दन और स्वागत किया। राज्यपाल ने श्री मुखर्जी को नव वर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए उनके सुदीर्घ स्वस्थ और यशस्वी जीवन की मंगलकामना की।

– 21 जनवरी 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन में भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी से मुलाकात कर उन्हें अंगवस्त्रम एवं अपनी लिखी किताब 'अनकहा लखनऊ' भेंट कर राजभवन से सादर विदा किया।

– 21 जनवरी 2019

महामहिम राज्यपाल से हरियाणा के राज्यपाल मिले

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से राजभवन, पटना में हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री सत्यदेव नारायण आर्य ने शिष्टाचार मुलाकात की। हरियाणा के राज्यपाल श्री आर्य ने महामहिम राज्यपाल, बिहार श्री टंडन को नव वर्ष–2019 की शुभकामनाएँ दी एवं कहा कि बिहार राज्य उनके मार्गदर्शन में तेजी से प्रगति कर रहा है।

– 09 जनवरी 2019

राज्यपाल से बिहार विधान सभा के अध्यक्ष ने मुलाकात की

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी ने राजभवन आकर शिष्टाचार मुलाकात की और नव वर्ष– 2019 की शुभकामनाएँ देते हुए महामहिम का अभिवादन किया।

– 02 जनवरी 2019

राज्यपाल से उत्तर प्रदेश की पर्यटन मंत्री ने मुलाकात कर 'कुंभ–2019' के सुअवसर पर उन्हें प्रयागराज आने के लिए आमंत्रित किया

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से उत्तर प्रदेश की माननीया पर्यटन मंत्री श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी ने राजभवन पहुँचकर शिष्टाचार मुलाकात की। श्रीमती जोशी ने राज्यपाल को नव वर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए आगामी 'कुंभ–2019' के अवसर पर प्रयागराज आने के लिए उन्हें आमंत्रित भी किया।

– 04 जनवरी 2019

राज्यपाल से के.पी.एस. केशरी, अध्यक्ष, बिहार इंडस्ट्रीज एशोसिएशन ने की मुलाकात

बिहार इंडस्ट्रीज एशोसिएशन के अध्यक्ष श्री के.पी.एस. केशरी महामहिम राज्यपाल से मुलाकात करते हुए।

– 02 जनवरी 2019

वसन्त की अगवानी

नागार्जुन

रंग-बिरंगी खिली-अधखिली
किसिम-किसिम की गंधों-स्वादों वाली ये मंजरियाँ
तरुण आम की डाल-डाल टहनी-टहनी पर
झूम रही हैं...
चूम रही हैं--
कुसुमाकर को! ऋतुओं के राजाधिराज को !!
इनकी इठलाहट अर्पित है छुई-मुई की लोच-लाज को !!
तरुण आम की ये मंजरियाँ...
उद्भित जग की ये किन्नरियाँ
अपने ही कोमल-कच्चे वृन्तों की मनहर सन्धि भंगिमा
अनुपल इनमें भरती जाती
ललित लास्य की लोल लहरियाँ !!
तरुण आम की ये मंजरियाँ !!
रंग-बिरंगी खिली-अधखिली...

(1976)

राजभवन, बिहार, पटना की पृष्ठ–छवि

मुद्रक : लेजर प्रिंटर्स, पटना 4, फोन : 9334116085